

आइआइटी में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण पर मंथन शुरू

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में राष्ट्रीय आपदा प्रबंध संस्थान (एनआइडीएम) नई दिल्ली के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई। यह सम्मेलन शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, शोधकर्ताओं, पेशेवरों, चिकित्सकों और सलाहकारों द्वारा जल संसाधन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के बारे में अपने नवीनतम निष्कर्षों को प्रस्तुत करने और चर्चा करने के लिए एक मंच है।

सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन का भी पता लगाने की कोशिश की जाएगी। सम्मेलन के पहले दिन आइआइटी इंदौर के एसोसिएट प्रोफेसर डा. मनीष कुमार गोयल ने कार्यक्रम के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। एनआइडीएम के प्रमुख प्रो. अनिल के गुप्ता ने कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों का स्वागत किया। आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक प्रो. नीलेश कुमार जैन ने आयोजकों और प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया और बधाई दी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मध्य प्रदेश सरकार के सचिव मुकेश चंद गुप्ता थे। विशेष अतिथि संयुक्त राज्य

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

- राष्ट्रीय आपदा प्रबंध संस्थान के साथ आइआइटी कर रहा है कार्यक्रम
- विभिन्न विषयों पर 85 रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए जाएंगे

अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के सहायक निदेशक डा. राल्फ चामी ने कल्याण और आर्थिक प्रणाली के लिए प्रकृति का मूल्य विषय पर व्याख्यान दिया। आइआइटी इंदौर के संचालक मंडल के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. दीपक बी फाटक ने मुख्य अतिथि के रूप में की प्रतिभागियों को बधाई देकर उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में भारत के संस्थानों के अलावा बाहर के देशों के भी करीब 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में भारतीय सेना, पर्यावरण विज्ञान विभाग, मौसम विज्ञान विभाग, इसरो, सीएसआइआर, टेरी सहित विभिन्न सरकारी संगठनों से कई प्रतिभागी शामिल हुए। सम्मेलन में 110 से अधिक शोध पत्र प्राप्त हुए थे। इसमें से 85 का चयन पांच तकनीकी सत्रों में प्रस्तुतिकरण के लिए किया गया है।